

अब हरी से मिलन होगा भजन लिरिक्स



जब संत मिलन हो जाए,
तेरी वाणी हरि गुण गाए,
तब इतना समझ लेना,
अब हरी से मिलन होगा,
अब हरी से मिलन होगा। **lbd।**

नहीं क्रोध किसी पर आवे,
सब में ही नज़र वो आवे,
तब इतना समझ लेना,
अब हरी से मिलन होगा। **lbd।**

आँखों से आंसू आए,
दिन रात नज़र हरि आए,
तब इतना समझ लेना,
अब हरी से मिलन होगा। **lbd।**

कोई दूजा ना मन को भाए,
दर्शन को मन ललचाए,
तब इतना समझ लेना,
अब हरी से मिलन होगा। **lbd।**

जब संत मिलन हो जाए,
तेरी वाणी हरि गुण गाए,
तब इतना समझ लेना,
अब हरी से मिलन होगा,
अब हरी से मिलन होगा। **lbd।**

स्वर – श्री चित्र विचित्र जी महाराज।
